

SUCH. 1, 7, 12. गुत्रन्भ्युपगच्छति MBh. 1, 4847. अस्मानिहगतानेष निष्क्र-
म्याभ्युपगच्छति R. 3, 18, 24. (भर्तारि) परलोकमभ्युपगते ऽऽ. 9, 13. Jmd zu
Hilfe kommen: वयमभ्युपगच्छामः कृत्तेषां तं प्रधर्षितम् HARIV. 2095. zu
Etwas schreiten: तस्मादभ्युपगत्य युद्धाय MBh. 14, 327. zu einem Zeit-
punkt gelangen: घ्राणाभ्युपगतो भरतः R. 4, 27, 11. erlangen, errei-
chen: अत्राभ्युपगतः — वैदेह्या इव दर्शनम् 5, 67, 10. — 2) sich für Etwas
erklären, zugestehen, zugeben, einwilligen: न तु धनदायासावभ्युपगच्छ-
ति DAÇAK. 79, 8. प्रियाभ्युपगते द्यूते MBh. 5, 4239. तच्चवश्यमभ्युपगतव्य-
म् KÄÇ. zu P. 1, 2, 55. स्वाभ्युपगतस्याविद्यान्तवस्य Sch. zu Kap. 1, 21.
अभ्युपगतं तावदस्माभिरेवम् ऽऽ. 69, 22. तथा च तेनाभ्युपगते DAÇAK. 201,
8. अभ्युपगत = प्रतिज्ञात u. s. w. H. 1489. — Vgl. अभ्युपगम. — caus.
Jemand zur Einwilligung bewegen: मामभ्युपगमय्य DAÇAK. 82, 5. एताव-
त्कालं बद्धास इत्यभ्युपगमितः Mit. 268, 13.

— समुप 1) herbeikommen, hinzutreten zu: गौतेश्च स्तुतिसंयुक्तैः प्री-
त्या समुपगमिरे MBh. 1, 7718. सैनिकर्ष मे शीघ्रं समुपगच्छतु R. 6, 99, 21.
वमिष्ठं समुपगमत् MBh. 1, 6673*. 6872*. R. 1, 18, 9*. — 2) in einen Zu-
stand, ein Verhältniss treten: पक्षत्वं समुपगमत् KATHA. 5, 122*. ग्रहणम्
R. 4, 1, 73.* — Die mit * bezeichneten Stellen könnten auch zu समुपा
gehören.

— नि 1) sich niederlassen auf, bei (acc. loc.): कृते मित्रे निगतान्क-
ति वीरान् RV. 10, 132, 5. तमिदं निगतं सहः AV. 13, 4, 12. sich einstel-
len: यमिर्हतिर्निगच्छात् RV. 10, 10, 11. — 2) intre feminam: पापमाङ्कुर्यः
स्वसरे निगच्छात् RV. 10, 10, 12. — 3) gerathen an einen Ort, in einen
Zustand: यत्र क्व च कुरुते तस्य निगच्छति ÇAT. Br. 14, 1, 4, 2. उच्चावचम्
3, 4, 19. अणिमानम् 7, 1, 41. नुधम् TS. 7, 2, 4, 1. वद्ध किं वाचा धोरं निग-
च्छति ÇAT. Br. 9, 3, 4, 12. शास्त्रम् BHAG. 9, 31. दुःखान्तम् 18, 36. — 4) ein-
treten, sich einfügen: सूक्तवाके देवता निगच्छति ÇÄKKH. Çr. 1, 16, 10.
17, 6, 3, 8, 21. 5, 18, 7. — Vgl. निगम. — caus. (zu 4.) einsetzen, einfügen:
उत्तमे चैनं प्रयाजे प्रागाद्यप्येयो निगमयेत्सूक्तवाके चाग्निक्वेत्रेणेतस्य
स्थाने ÄCV. Çr. 2, 19.

— उपनि stossen auf, treffen auf, gerathen in: यत्रैव भस्मोद्धृतमुपनि-
गच्छेत् ÇAT. Br. 2, 3, 2, 5. 7, 3, 1, 26. 3, 4, 29. 13, 4, 2, 17.

— सैनि mit Jmd (instr.) zusammenkommen: यैः सैनगच्छति सर्वोस्ता-
नतिराचते ÇAT. Br. 14, 3, 4, 9.

— निम् 1) hinausgehen, hinaustreten, hervorkommen, von Hause
gehen, aufbrechen: तिरश्चता पार्श्वान्निर्गमाणि RV. 4, 18, 2. निर्गमन्यान्तमं-
सो ज्योतिषागात् 10, 1, 1. KAUC. 129. 135. अधिविन्ना तु या नारी निर्गच्छे-
द्दुषिता गृहात् M. 9, 83. निर्गत्य नगरात् MBh. 1, 5874. R. 3, 28, 35. 4, 32,
22. PANKAT. II, 86. ÇÄK. 74. R. 1, 27. Vid. 41. 142. निर्गम्य तथैव यमुना-
जलात् MÄRK. P. 22, 47. (गर्भः) निर्गमाम — तदङ्गतः BRAHMA-P. 39, 13. (वि-
तस्तायाः) निर्गताया महापद्मसलिलात् RĀGA-TAR. 3, 118. (आज्ञा) निर्गता
मुखात् 395. ग्रामनिर्गत P. 2, 1, 37. Vart. शिखा प्रदीपस्य — संधिमुखेन
निर्गता MRĀKH. 48, 11. मनुष्याणां प्रविशदेव पदं पश्यति न च निर्गच्छत्
PANKAT. 255, 17. अनिलः सण्डो निर्गच्छति SUCH. 1, 30, 10. अशीसि निर्ग-
तानि 2, 48, 1. निर्गच्छति गुदं वक्तिः 1, 298, 1. निर्गम्य च वक्तिः MÄRK. P.
22, 46. प्रकाशं निर्गतः ÇÄK. 46, 7. मृगयो निर्गतो नृपः MBh. 3, 14055. (सै-
नयोः) निर्गच्छमानयोः सण्डो 6, 3848. in demselben Sinne ohne सण्डो DA-
ÇAK. in BENF. Chr. 201, 2. न कुत्रचिदपि निर्गता PANKAT. 36, 23. मार्गेषु

H. Theil.

निर्गतः RĀGA-TAR. 3, 452. कार्यार्थं निर्गतं चापि भर्तारं गृहमागतम् MBh.
13, 5870. PANKAT. I, 21. AMAR. 61. निर्गम्यतो शीघ्रम् BHAG. P. 1, 13, 17.
7, 1. INDR. 5, 5. MBh. 3, 15233. 16654. R. 1, 64, 15. 2, 40, 33. 3, 28, 39. Vid.
96, 178. zum Vorschein kommen, von einer Knospe: चूतानो चिरनिर्ग-
तापि कलिका वध्नाति न स्वं रजः ÇÄK. 131. — 2) weggehen, vergehen,
schwinden: नन्दके निर्गतजले RĀGA-TAR. 3, 108. निर्गतनिखिलकल्मषतया
VEDĀNTAS. 6. निर्गतविशङ्क PANKAT. 124, 12. — 3) von Etwas (abl.) frei
kommen, befreit werden von: निर्गतो गदात् AK. 2, 6, 2, 8. — 4) in einen
Zustand (acc.) übergehen: पुरुषाः प्रेष्यतमेके निर्गच्छन्ति धनार्थिनः MBh.
3, 15399. — desid. hinauszutreten begehren: गर्भान्न निर्गमिषे वक्तिरन्ध-
कूपे BhaG. P. 3, 31, 20.

— अभिनिस् hinausgehen, sich entfernen von: चारयित्वा तु तमृषिमा-
श्रमादभिनिर्गतम् R. 1, 9, 13.

— विनिस् 1) hinausgehen, hinaustreten, aus dem Hause gehen, fort-
gehen: विनिर्गच्छ तूर्णमास्यादपावृतात् MBh. 1, 1341. भवनात् R. 5, 84, 10.
विलात् 4, 32, 13. 53, 22. नगरात् Vid. 279. अदोरेण विनिर्गच्छन् MBh. 2,
1816. उपेत्य च — वाक्यकदयो विनिर्गतः 32. R. 6, 5, 15. PANKAT. 29, 21.
युद्धार्थं विनिर्गतः 48, 13. विनिर्गतालोकितविक्षु (मक्षिपीकुल) R. 1, 21.
तया सह श्रीश्च विनिर्गता मम gewichen R. 4, 22, 39. sich entfernen (von
Sternen) VARAH. BRH. S. 4, 26. — 2) sich von Etwas (abl.) lossprechen, be-
freien: सेद्धेयो विनिर्गतः M. 3, 65, 6, 57. — 3) ausser sich gerathen: स तु
ब्रह्मसूत्रेण गतासुमुरगं रूपा । विनिर्गच्छन्धनुष्योऽद्या निधाय पुरमागतः ॥
BhaG. P. 1, 18, 30.

— सैनिस् hinausgehen, aufbrechen: स बद्धतूणः स्वरथं समास्थितः सं-
निर्गमाम R. 5, 42, 5.

— परा 1) weggehen, entgehen, entweichen: यद्वा मनः परागतं यद्ध-
मिह येकं वा AV. 7, 12, 4. हूरं पं RV. 10, 97, 21. यत्र कामाः परागताः ÇAT.
Br. 10, 3, 4, 16. — 2) hingehen, abscheiden: ये ते पूर्वं परागता अपरे पि-
तरश्च ये AV. 18, 3, 72. — 3) परागत erfüllt von (vgl. — परि): परागपरा-
गतपङ्कज Çiç. 6, 2.

— परि 1) herumwandeln, umwandeln, umschreiten, umlaufen; um-
kreisen, einschliessen, umgeben: घृणा त्रयो ऽरूपासः परि गमन् RV. 4,
43, 6. परि घामिव सूर्यो ऽर्कोनां तन्निर्गमामम् AV. 6, 12, 1. प्रविच्छन्त्यरि-
गत्या दूर्गातैः RV. 2, 13, 4. परि व्रजेवं वाक्कोर्निगन्वासा स्वर्णारम् 5, 64, 1.
तानि रथो भूत्वा पर्यगच्छन्तानि परिगत्यात्मन्नधत् ÇAT. Br. 9, 4, 4, 2, 15. 5,
4, 36. 8, 2, 4, 16. — तावाश्रमाश्रयश्चैव अनानि च सरोसि च । तस्यां निशि
विचिन्वन्तौ देवता परिगमन्तुः ॥ SIV. 6, 3. MBh. 1, 7918. अशोकवृत्तम् 3,
2507. R. 2, 35, 24. तं रूपं तत्र परिगम्य प्रदक्षिणम् 1, 13, 34. मेरु परिगन्तुम्
5, 3, 37. यथा हि मेरुर्भगवता (d. i. सूर्येण) नित्यशः परिगम्यते MBh. 3, 8783.
सर्वलोको ह्ययं मन्ये बुद्ध्या परिगतस्त्वया 12, 8319. R. 1, 61, 14. 4, 32, 12.
सेनापरिगत von einem Heere umgeben RAHU. ed. Calc. 1, 38. लतापरिग-
तैर्दुमैः R. 6, 13, 5. वल्कलकूलकुशादिभिः परिगतः BHATT. 10, 1. विशदप्र-
भापरिगतः Çiç. 9, 26. — 2) sich nach allen Seiten verbreiten, sich ver-
breiten nach: परिगतशरं चन्द्रकिरणान्निर्गमाः BHATT. 3, 86. परिगतश-
क्तिः (नीललोहितः) ÇÄK. 194. परिसरपरिगतयमुनाजल GIt. 1, 33. — 3)
dahingehen, abscheiden: वयं येभ्यो ज्ञाताश्चिरपरिगता एव ह्यस्तु ते BHATT.
3, 49. — 4) in einen Zustand übergehen, theilhaft werden, erlangen: वृ-
षलत्वं परिगताः MBh. 13, 2103. 2105. 14, 832. मानुषताम् 13, 6738. शान्ति-

43*